NEP HONOURS

Course Type: MAJ-1

Semester: 1

Course Code: BHINMAJ01T

Course Title: HINDI SAHITYA KA ITIHAS

(हिन्दी साहित्य का इतिहास)

(L-P-Tu): 5-0-1 Credit: 6

Practical/Theory: Theory

इकाई - एक

हिन्दी साहित्येतिहास - लेखन की परम्परा, हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण

इकाई - दो

आदिकाल - परिस्थितियाँ, नामकरण, प्रवृत्तियाँ , प्रमुख कवि एवं कृतियाँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य, लौकिक साहित्य

इकाई - तीन

भक्तिकाल : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ

इकाई - चार

प्रमुख कव्य धाराएँ - संत काव्य, सूफी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य, प्रमुख कवि एवं कृतियाँ

इकाई - पाँच

रीतिकाल : परिस्थितियाँ, नामकरण, प्रवृत्तियाँ

प्रमुख कव्य धाराएँ - रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त, प्रमुख कवि एवं कृतियाँ

इकाई - छः

आधुनिक काल : सामान्य परिचय (गद्य, पद्य एवं अन्य विधाएँ)

Course Objective: साहित्येतिहास के अध्ययन का एक प्रयोजन साहित्य के विकास की गति और दिशा के साथ-साथ समाज के विकास को रेखांकित करना है।

Learning Outcome: • विद्यार्थी हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा एवं विकास के बारे में जान सकेंगे एवं मूल्यांकन कर सकेंगे।

- विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत विषय के रूप में हिन्दी साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, कालखंड, हिन्दी साहित्य के इतिहास की प्रमुख प्रवृत्तियों एवं विशेषताओं की समग्र जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।
- विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत हिन्दी साहित्य के आदिकाल, भक्तिकाल रीतिकाल एवं आधुनिक काल तक की विभिन्न काव्य-प्रवृत्तियों को जान सकेंगे। साथ ही इस कालखंड के सभी महत्वपूर्ण कवियों से परिचित हो सकेंगे ।
- विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम से भारत के सांस्कृतिक विरासत के साथ- साथ राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम में साहित्य की भूमिका को समझ सकेंगे।

Course Type: MAJ-2

Semester: 2

Course Code: BHINMAJ02T

Course Title: HINDI BHASHA KA ITIHAS

(हिन्दी भाषा का इतिहास)

(L-P-Tu): 5-0-1 Credit: 6

Practical/Theory: Theory

इकाई - एक

हिंदी : नामकरण एवं स्वरूप

इकाई - दो

भारतीय आर्य भाषा के परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा का विकास (प्राकृत, अपभ्रंश, ब्रजभाषा, अवधी, खड़ी बोली)

इकाई - तीन

हिंदी : क्षेत्र, उपभाषाएँ एवं बोलियाँ

इकाई - चार

हिंदी के शब्द भण्डार

इकाई - पाँच

राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी

इकाई - छः

देवनागरी लिपि का विकास

Course Objective: • उपर्युक्त पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा के सैद्धांतिक पहलू साथ व्यावहारिक रूप का ज्ञान प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

Learning Outcome: • विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत हिन्दी भाषा के विस्तृत व समृद्ध इतिहास व विकास का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।

- **विद्यार्थी को इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिन्दी की बोलियों का ज्ञान होता है, जिसके आधार पर वह अपने भाषा संस्कारों को समृद्ध करता है तथा सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी का प्रयोग अधिक कुशलता के साथ कर पाने में सक्षम होता है ।**

Course Type: SEC-1 (SKILL ENHANCEMENT COURSES)

Semester: 1

Course Code: BHINSEC01T

Course Title: Anuwad : siddhant aur prawidhi

(अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि)

(L-P-Tu): 3-0-1 Credit: 3

Practical/Theory: Theory

इकाई - एक

अनुवाद का अर्थ , स्वरूप एवं प्रकृति , अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्व

अनुवाद के प्रकार - शाब्दिक अनुवाद , भावानुवाद , छायानुवाद एवं सारानुवाद, अनुवाद की समस्याएँ

इकाई - दो

अनुबाद के क्षेत्र - जनसंचार, प्रशासनिक, बैंकिंग, विधि

इकाई - तीन

कार्यालयी अनुवाद : राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3 (3) के अंतर्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवाद

शासकीय पत्र / अर्धशासकीय पत्र / परिपत्र (सर्कुलर) / ज्ञापन (प्रेजेंटेशन)/ कार्यालय आदेश / अधिसूचना / संकल्प--प्रस्ताव (रेज्योलूशन)/ निविदा--संविदा / विज्ञापन

Course Objective: • इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों को अनुवाद विधा की सैद्धांतिक जानकारी प्रदान की जाएगी।

Learning Outcome: अनुवाद के महत्व से विद्यार्थियों को अवगत कराना ।

- **अनुवाद कौशल को विद्यार्थियों में विकसित करना ।**
- **अनुवाद के माध्यम से भाषा कौशल का विकास करना ।**
- **अनुवाद के प्रयोग को बढ़ावा देने का प्रयास करना ।**
- **अनुवाद से जुड़े रोजगार के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना ।**

NEP GENERAL

MINOR ELECTIVE(ME) COURSES (MINOR-2)

Course Type: ME-2

Semester: 2

Course Code: BHINMEB12T

Course Title: HINDI SAHITYA KA ITIHAS

(हिन्दी साहित्य का इतिहास)

(L-P-Tu): 3-0-1 Credit: 4

Practical/Theory: Theory

इकाई - एक

काल विभाजन, नामकरण

आदिकालीन काव्य धाराएँ - सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ

इकाई - दो

भक्ति आन्दोलन - सामान्य परिचय, सामाजिक - सांस्कृतिक पृष्टभूमि

प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ

इकाई - तीन

रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्टभूमि

रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त कवि (केशव, बिहारी, घनानंद, भूषण का सामान्य परिचय)

इकाई - चार

हिन्दी नवजागरण , भारतेंदु युगीन साहित्य की विशेषताएँ

महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग , मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा

Course Objective: साहित्येतिहास के अध्ययन का एक प्रयोजन साहित्य के विकास की गति और दिशा के साथ-साथ समाज के विकास को रेखांकित करना है।

Learning Outcome: • विद्यार्थी हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा एवं विकास के बारे में जान सकेंगे एवं मूल्यांकन कर सकेंगे।

- **विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत विषय के रूप में हिन्दी साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, कालखंड, हिन्दी साहित्य के इतिहास की प्रमुख प्रवृत्तियों एवं विशेषताओं की समग्र जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।**
- **विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत हिन्दी साहित्य के आदिकाल, भक्तिकाल रीतिकाल एवं आधुनिक काल तक की विभिन्न काव्य-प्रवृत्तियों को जान सकेंगे। साथ ही इस कालखंड के सभी महत्वपूर्ण कवियों से परिचित हो सकेंगे ।**
- **विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम से भारत के सांस्कृतिक विरासत के साथ- साथ राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम में साहित्य की भूमिका को समझ सकेंगे।**